Challenges and Opportunities in Higher Education in the 21st Century

A U.G.C. sponsored national seminar on “Challenges and Opportunities in Higher Education in the 21st Century” was organized on 11th and 12th October, 2017.

The seminar was inaugurated by Prof. Ramesh Sharan, Vice Chancellor, Vinoba Bhave University, Hazaribag, a distinguished scholar himself, Sri P.N. Singh, M.P. Dhanbad also addressed the seminar on this issue during the inaugural session. Dr. Subhash Brambhaat, Principal, H.K. Arts College, Ahmedabad and President, Association of Indian College Principals, presented the key note address in a very learned manner.

Among the resource persons those who participated were:

(i) Dr. G. Ramchandran --- Former Principal, Kandivali College, Mumbai.
(ii) Dr. Kirti Diddi --- Principal, Nirmala College, Ujjain.
(iii) Dr. A.I. Khan --- Principal, Giridih College, Giridih.

The valedictory address was made by Prof. M.P. Sinha, Vice Chancellor, Siddho Kanhu Murmu University, Dumka. Sri Raj Sinha, M.L.A., Dhanbad also made an address during the valedictory session.

The organising secretary of the seminar was **Dr. Ranjana Das, Co-ordinator, IQAC.**

A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On

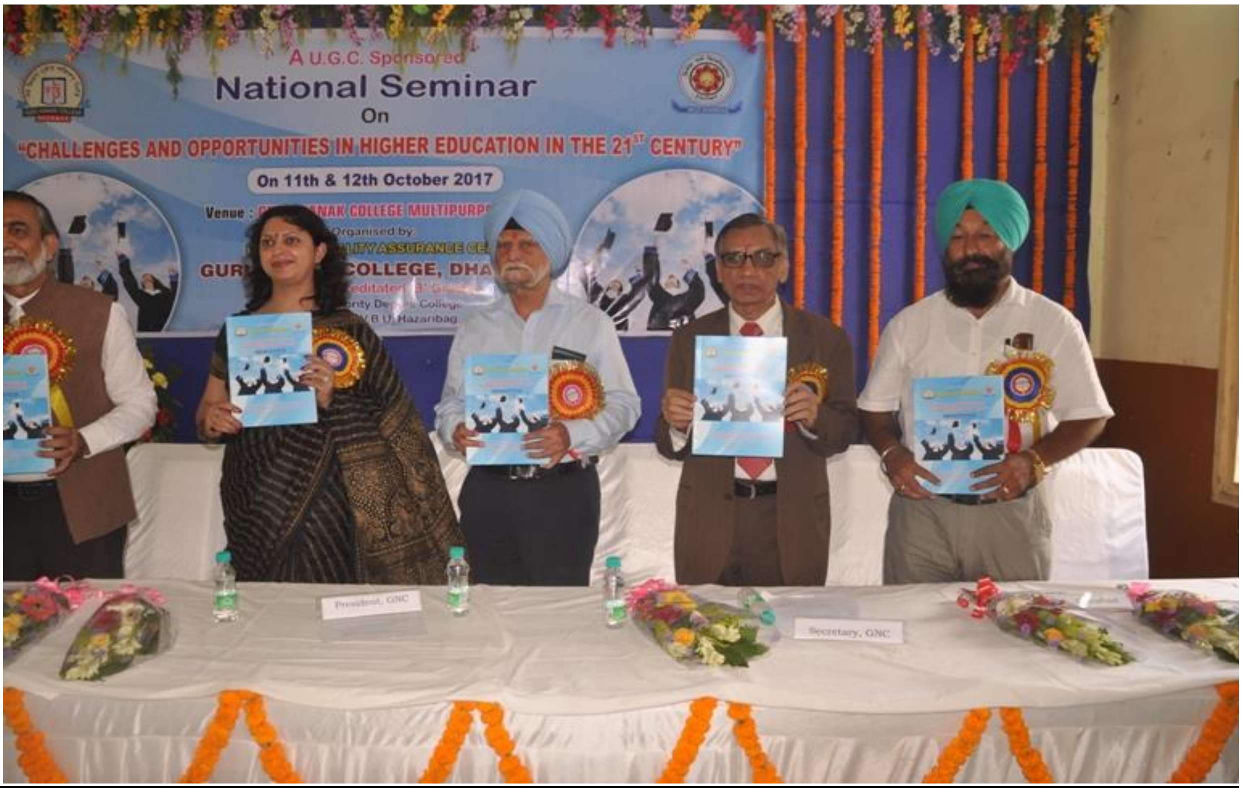
A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On
"CHALLENGES AND OPPORTUNITIES IN HIGHER EDUCATION IN THE 21ST CENTURY"
On 11th & 12th October 2017
President, GNC
Secretary, GNC

A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On
"CHALLENGES AND OPPORTUNITIES IN HIGHER EDUCATION IN THE 21ST CENTURY"
On 11th & 12th October 2017
Venue : GURU NANAK COLLEGE MULTIPURPOSE HALL
Organised by
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
P. Shekhar

A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On
On 11th & 12th October 2017
Organised by
P. Shekhar
Secretary, GNC

A U.G.C. Sponsored
On
On 11th & 12th October 2017
Organised by
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

A U.G.C. Sponsored
On
Organised by

A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On
"CHALLENGES AND OPPORTUNITIES IN HIGHER EDUCATION IN THE 21st CENTURY"
On 11th & 12th October 2017
Venue : GURU NANAK COLLEGE MULTIPURPOSE HALL
Organised by
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

nue : GURU NANAK COLLEGE MULTIPURPOSE HALL
Organised by:
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
URU NANAK COLLE ANBAD
(NAAC Accredited
A Sikh Minority Degree
Affiliated to V.B.U. Haz

A U.G.C. Sponsored
ational Seminar
On
RTUNITIES IN HIGHER EDUCATION IN THE 21ST CENTURY"
On 11th & 12th October 2017
GURU NANAK COLLEGE MULTIPURPOSE HA
A Sikh Minority Degre
Affiliated to V.B.U. Hazaribag

A U.G.C. Sponsored
National Seminar
On
On 11th & 12th October 2017

Press Release

10-10-2017
Prabhat Khabar

धनबाद, मंगलवार 10.10.2017 07

जीएन कॉलेज बैंक मोड़ कैंपस में राष्ट्रीय सेमिनार 11 से

धनबाद. जीएन कॉलेज बैंक मोड़ कैंपस में यूजीसी के सौजन्य से बुधवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू होगा. विषय होगा ' उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 21वीं सदी की चुनौतियां एवं अवसर'. सेमिनार का उद्घाटन विभावि के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमेश शरण करेंगे. मुख्य अतिथि धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह होंगे. एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडिया कॉलेज प्रिंसिपल्स के प्रेसिडेंट डॉ सुभाष ब्रह्मभट्ट की नोट स्पीकर होंगे. अध्यक्षता कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष आरएस चहल करेंगे. सेमिनार में कई वक्ता बाहर से आ रहे हैं. इनमें मुंबई विश्वविद्यालय के जी रामाचंद्रन, कड़ी बल्ली कॉलेज से डॉ किर्ती दीदी उज्जैन आदि शामिल हैं. समापन समारोह के मुख्य अतिथि सिदो कान्हू विवि के कुलपति डॉ एमपी सिन्हा होंगे. अतिथि के रूप में धनबाद विधायक राज सिन्हा भी उपस्थित रहेंगे.

जीएन कॉलेज. 'उच्च शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां व अवसर' विषय पर सेमिनार में बोले सांसद

Prabhat Khabar - 11-10-17

उच्च शिक्षा की जान है तकनीकी शिक्षा

वरीय संवाददाता ▸ धनबाद

कार्यक्रम का उद्घाटन करते सांसद पीएन सिंह, कुलपति प्रो (डॉ) रमेश शरण और स्वागत गीत प्रस्तुत करतीं छात्राएं. फोटो । प्रभात खबर

सांसद पीएन सिंह ने कहा है कि मौजूदा व्यावसायिक दौर में उच्च शिक्षा के लिए जान बन गयी है कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा. वह बुधवार को जीएन कॉलेज बैंक मोड़ कैंपस में "उच्च शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां व अवसर" विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. यूजीसी के प्रायोजन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आज उद्घाटन हुआ. सांसद ने कहा कि बदलते दौर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार बदलाव आ रहे हैं. कभी किसी ब्रांच की तो कभी किसी ब्रांच की मांग को देखते हुए उस ओर रुझान बढ़ जाता है. विभावि के कुलपति प्रो.(डॉ.) रमेश शरण ने कहा कि सेमिनार का यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है. मौजूदा समय में जबकि दूसरे राज्यों की स्पर्धा मे जीइआर (ग्रॉस इनरॉलमेंट रेसियो) बढ़ाने की होड़ मची है. वैसे में लक्ष्य का ख्याल रखते हुए सभी को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना काफी कठिन काम है. इस क्षेत्र में चुनौतियां व अवसर दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं. परिवर्तन के इस दौर मे उच्च शिक्षा के लिए अवसर भी बहुत कुछ मिले हैं. जरूरत है उसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की.

कुलपति से ज्यादा पावरफुल समझने लगा है लिपिक : डॉ शरण का कहना था कि खुशी की बात है कि उनके विवि में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 71 प्रतिशत छात्राएं हैं. उन्होंने बताया कि इस समय एक लिपिक का स्थानांतरण करना मुश्किल भरा काम हो गया है. लिपिक अपने को कुलपति से ज्यादा पावरफुल समझने लगा है. उसके लिए पैरवी पर पैरवी आ रही है. पावर का मिसयूज ठीक नहीं होता. की-नोट स्पीकर डॉ. सुभाष ब्रह्मभट्ट ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आ रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की. जबकि इस विषय पर मुंबई विश्वविद्यालय के प्रो. जी रामाचंद्रन तथा उज्जैन के विवि से डॉ. कीर्ती दीदी ने भी अपने विचार रखे.

अतिथियों को किया स्वागत : अतिथियों का स्वागत प्राचार्य व आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. पी शेखर ने तथा संचालन आयोजन सचिव डॉ.रंजना दास ने किया. जबकि उनका सहयोग व्याख्याता पुष्पा तिवारी कर रही थी. मौके पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष आरएस चहल तथा सचिव दिलजोन सिंह गिरेवाल भी उपस्थित थे. उन्होंने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया. मौके पर पीके राय कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसकेएल दास, आरएस मोर कॉलेज गोविंदपुर की प्राचार्या डॉ. किरण सिंह, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की प्रभारी प्रचार्या डॉ. मीना श्रीवास्तव, सिंदरी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. कामता सिंह, रीजनल सेंटर के नोडल ऑफिसर प्रो. इंद्रजीत कुमार, डॉ. एसके सिन्हा समेत जीएन कॉलेज से प्रो. इंद्रजीत सिंह, डॉ. संजय प्रसाद, डॉ.मीना मालखंडी भी उपस्थित थे. सेमिनार बुधवार को भी चलेगा. समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे धनबाद के विधायक राज सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि सिद्धो कान्हू विवि दुमका के कुलपति डॉ.एमपी सिन्हा होंगे.

Dainik Jagran - 12-10-17

जीईआर में सुधार बड़ी चुनौती

जागरण संवाददाता,धनबाद : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक बदलाव आया है। इस बदलाव के साथ ही असमानताएं भी बढ़ी हैं। इस क्षेत्र में सरकार की नीतियों में भी असमानता है। केंद्रीय विश्वविद्यालय और राज्य विश्वविद्यालय को मिलने वाले फंड अलग-अलग हैं। राज्य विश्वविद्यालयों पर ग्रॉस इनरॉलमेंट रेसियो (जीईआर) में सुधार की बड़ी चुनौती है। पर शिक्षकों की कमी के कारण इसमें भी परेशानी आ रही है। ये बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश शरण ने कही। वह बुधवार को गुरुनानक कॉलेज में आयोजित नेशनल सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा में 21वीं सदी की चुनौतियां और अवसर विषय पर आयोजित सेमिनार में उन्होंने कहा कि आज भी पैसे की कमी के कारण छात्र दाखिला नहीं ले पाते हैं। उनके पास प्रतिदिन 10 ऐसे आवेदन आते हैं जिनमें शुल्क माफ करने का आग्रह किया जाता है। कुलपति ने कहा कि जिस राज्य के भूगर्भ में खनिज संपदाओं का भंडार छिपा है उस राज्य का जियोलॉजी विभाग मृतप्राय: है। उन्होंने कहा कि मौजूदा कोर्स को रिडिजाइन करने की जरूरत है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी बदलना होगा।

अब तो मॉल या सिनेमा हॉल में ही ज्यादा दिखते हैं शिक्षक : 21वीं सदी में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या परिवर्तन शिक्षक की है। शिक्षकों की कर्तव्यहीनता के कारण समाज में भ्रष्टाचार बढ़ा है। यह कहना था ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कॉलेज प्रिंसिपल के अध्यक्ष डॉ. सुभाष ब्रह्मभट्ट का। की-नोट स्पीकर के रूप में सेमिनार को संबोधित कर रहे डॉ. भट्ट ने कहा कि शिक्षक अगर कॉलेज में छात्रों को सही ढंग से पढ़ाते हैं तो सिर्फ इतना बताएं कि उनके बच्चे दिल्ली, बेंगलुरू या विदेशों में पढ़ने क्यों जाते हैं। मेरा सवाल उन शिक्षकों से भी है जिनके द्वारा पढ़ाए गए इंजीनियरिंग के 50 फीसद छात्रों को नौकरी नहीं मिलती और ये बैंक क्लर्क की दौड़ में शामिल हो जाते हैं।

डॉ. ब्रह्मभट्ट ने ने कहा कि शिक्षा एक बड़े मुनाफे का कारोबार बन गया है। उन्होंने कहा कि 700 छात्रों को चीन सरकार अपने खर्च पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी भेजती है। उनके लौटने पर चीन के शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। भारत में एक छात्र को हार्वर्ड भेजने को लेकर एमएचआरडी स्तर पर कोई पहल नहीं हुई है। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. पी शेखर, कॉलेज के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, उपाध्यक्ष सरदार फलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ग्रेवाल, डॉ. संजय प्रसाद, डॉ. एसकेएल दास, डॉ. मीना श्रीवास्तव, डॉ. किरण सिंह, डॉ. मीना मालखंडी, डॉ. रंजना दास व अन्य उपस्थित थे।

सेमिनार का उद्घाटन करते सांसद पीएन सिंह • जागरण

सेमिनार

- उच्च शिक्षा में 21वीं सदी की चुनौतियां और अवसर पर सेमिनार
- शिक्षकों की कमी के बीच जीईआर को बेहतर करना बड़ी चुनौती

मैंने अपने कार्यकाल में शुरू कराया था 20 रोजगारपरक कोर्स : सांसद

मैं जब मानव संसाधन मंत्री था तो अपने कार्यकाल में 20 रोजगारपरक कोर्स शुरू कराया था। यह कहना था सांसद पशुपति नाथ सिंह का। उन्होंने कहा कि उस वक्त सरकारी स्तर पर रोजगारपरक कोर्स की पढ़ाई नहीं होती थी। उन्होंने इस दिशा में पहल की थी जिसका परिणाम आज दिख रहा है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक आगे आएं। शिक्षादान उनका नैतिक दायित्व है।

जीएन कॉलेज में बोले एसकेएम विवि के वीसी डॉ मनोरंजन

Prabhat Khabar 13-10-17

विभाजन वाला न हो विश्वविद्यालय

वरीय संवाददाता ▸ धनबाद

राष्ट्रीय सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित करते विधायक राज सिन्हा

धनबाद में विश्वविद्यालय बनने का बेहतर अवसर आ रहा है, लेकिन ख्याल रहे विश्वविद्यालय विभाजन वाला नहीं, बल्कि बिल्कुल नया हो. इसकी हर प्रक्रिया नये सिरे से होनी चाहिए, अन्यथा यह भी राज्य के अन्य विभाजन वाले विश्वविद्यालय की तरह महज दिखावा बन कर रह जायेगा. ये बातें सिदो-कान्हू मुर्मू विवि दुमका के कुलपति डॉ.मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने कही. वह शुक्रवार को जीएन कॉलेज में 'उच्च शिक्षा के क्षेत्र में चुनौती व अवसर' विषय पर यूजीसी स्पांसर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा में चुनौती व अवसर दोनों ही अलग-अलग मुद्दा है. सबसे बड़ी चुनौती सब को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते हुए साथ लेकर चलना है. उन्होंने बताया कि लाइफ में किसी न किसी प्रकार से लगभग 70 विवि में जाने का अवसर उन्हें मिला. इस बात का अनुभव हुआ की मुट्ठी भर स्टूडेंट्स को लेकर बेहतर प्रदर्शन करना बड़ी बात नहीं. दिखाना हो तो धनबाद के पीके राय, आरएस मोर, आरएसपी जैसे कॉलेज के स्टूडेंट्स को बेहतर करके अपनी उपलब्धि गिनायें. उनका दावा है कि उक्त संस्थानों में प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि उन्हें ढंग से आंकने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि जहां तक अवसर की बात है आधुनिकता के इस दौर में सुविधाएं काफी बढ़ गयी हैं, जरूरत है उसका लाभ उठाने की.

बतौर मुख्य अतिथि विधायक राज सिन्हा ने कहा कि स्पर्धा के इस दौर में शैक्षणिक संस्थान तो बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आ रही है. उन्होंने कहा कि पटना साइंस कॉलेज जो कभी देश के नामी शैक्षणिक संस्थान हुआ करता था आज उसकी स्थिति यह है कि सुविधा व शिक्षक के अभाव में अस्तित्व बचाना मुश्किल हो गया है. मुंबई विश्वविद्यालय के जी. रामाचंद्रन ने कहा कि मौजूदा दौर में किस प्रकार से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट चिंता का विषय बन गया है. अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष सह प्रचार्य प्रो. पी शेखर ने किया. जबकि संचालन आयोजन समिति की सचिव डॉ. रंजना दास किया.

गुरुनानक कॉलेज में दो दिवसीय सेमिनार के समापन समारोह में बोले एसकेएमयू के कुलपति

नया विश्वविद्यालय कुछ अलग होगा तभी तो बात बनेगी : डॉ एमपी सिन्हा

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरुनानक कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन गुरुवार को हुआ। 21वीं सदी में उच्च शिक्षा में चुनौतियां और अवसर विषय पर आयोजित सेमिनार में वक्ताओं ने अपनी बातें रखीं। सिद्धू कान्हू मुर्मू विवि के कुलपति डॉ एमपी सिन्हा ने कहा कि यूनिवर्सिटी अगर पूरी दुनिया में ज्ञान फैलाए, तभी उसके होने का मतलब है। उन्होंने भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने चुनौतियों को स्वीकार किया था। अभावों में जिंदगी निखरती है। अभाव ही इंसान को आगे ले जाते हैं। उन्होंने गुणवत्ता शिक्षा पर कहा कि यह बाजार में बिकने वाली चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई बच्चा पीके रॉय कॉलेज में एडमिशन लेता है, तो संस्थान उसे आईआईएम के स्टूडेंट जैसा बनाए, यह उसकी चुनौती है। अगर आपमें गुणवत्ता नहीं है, तो कुछ भी कर लो, कुछ नहीं हो सकता। उच्च शिक्षा सिर्फ सर्टिफिकेट है। सही वक्त का इंतजार करो, जिंदगी बदल जायेगी। समय और संबंध का कोई मेल नहीं होता। अवसर स्थिर रहने वाले को मिलते हैं। डॉ सिन्हा ने कहा कि झारखंड में नया विश्वविद्यालय खुल रहा है। यह विभाजन है विश्वविद्यालय का। अगर धनबाद का विश्वविद्यालय सबसे अलग हो, तभी बात बनेगी। उन्होंने एक शेर पढ़ा- नजदीकियां बनाए रखिए, जिंदगी का क्या भरोसा, फिर मत कहिएगा चले गए और बताया भी नहीं।

गुरुनानक कॉलेज में सेमिनार के समापन के मौके पर बोलते विधायक राज सिन्हा।

उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए जरूरी है कॉलेजों में शिक्षकों का होना और एक्टिविटी प्रोग्राम : डॉ यूसी मेहता

रांची कॉलेज के प्राचार्य डॉ यूसी मेहता ने कहा झारखंड में उच्च को शिक्षा बढ़ाने के लिए सोचा जा रहा है। अभी झारखण्ड सरकार जीईआर बढ़ाने में लगी है। क्या इससे एजुकेशन बढ़ेगा, यह सोचना होगा। कॉलेजों में जरूरी है शिक्षकों का होना। उच्च शिक्षा को बढ़ाना है, तो शिक्षकों की उपलब्धता के विषय में सोचना होगा। आज शिक्षकों से ज्यादा नेताओं का वेतन है। डॉ एआई खान ने कहा कि अपने देश में उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए सोसाइटी तथा कॉलेजों में एक्टिविटी प्रोग्राम होना चाहिए। निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की एकेडमिक डायरेक्टर डॉ कीर्ति दिदी ने भी कहा कि भगवान जिसपर भरोसा करते हैं, उसे माता-पिता बनाते हैं। जिन पर विश्वास नहीं करते, उन्हें शिक्षक बनाते हैं। प्राइमरी और उच्च शिक्षा में इम्पूवमेंट की जरूरत है। उन्होंने यूजीसी पर कहा कि सरकार यूजीसी में जो परिवर्तन करती रहती है, यह गलत है। जो भी फ्रीडम मिल रहा है शिक्षकों को, वे यूज करें।

डिग्री-नौकरी चाहिए, ज्ञान नहीं : राज

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र तो बड़ा हो गया है, लेकिन ज्ञान कहां है। शिक्षा से चरित्र का निर्माण होता है। आजकल पढ़े-लिखे लड़कों का चरित्र और विचार एकदम अलग है। आजकल शिक्षा नहीं, नौकरी, डिग्री चाहिए सभी को, ज्ञान के लिए कोई नहीं पढ़ना चाहता है। शिक्षा को आज के युग में प्रयोगशाला बना दिया गया है। आजकल बच्चे कंधे पर भारी बैग लेकर स्कूल आते-जाते हैं। डिग्री तो ले लेते हैं, लेकिन ज्ञान नहीं ले पाते। आज की शिक्षा का हाल बिना नींव की खड़ी इमारत की तरह है। इसने इंसान को मशीन बना दिया है।

कई रिसर्चर ने रखी अपनी बात

सेमिनार के दूसरे दिन कई रिसर्चर ने अपनी बातें रखीं। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में गुरुनानक कॉलेज के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, उपाध्यक्ष सरदार पलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ढेवाल, प्राचार्य प्रो पी शेखर, प्रो रंजना दास, डॉ एआई खान, रांची कॉलेज के प्राचार्य यूसी मेहता, एआईसीपी प्राचार्य एस ब्रह्मभट्ट, डॉ मीना मालखंडी, प्रो देबाशीष बॉस, डॉ संजय प्रशाद, प्रो संतोष कुमार, प्रो दीपक कुमार, प्रो अरविंद कुमार, डॉ वर्षा सिंह, प्रो अमरजीत सिंह, डॉ संगीत नाथ, मौसमी बनर्जी, एसएसएलएनटी कॉलेज की प्रो तापित चक्रवर्ती, इंद्रजीत प्रसाद, घनिष्ठा वर्मा, मनप्रीत ब्रोका आदि मौजूद थे। मंच संचालन प्रो पुष्पा तिवारी ने किया।

Dainik Jagran 13-10-12

शोध और अनुसंधानवाला हो धनबाद की नई यूनिवर्सिटी

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित नेशनल सेमिनार में बोले सिदो-कान्हो विवि के कुलपति

जागरण संवाददाता, धनबाद : धनबाद में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है। इसे शुरुआत से ही शोध और अनुसंधान के लिए बेहतर बनाने की पहल शुरू की जाए। ऐसा न हो कि सिर्फ विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से कट कर अलग होने वाला विवि बनकर रह जाए। यह बातें सिदो-कान्हो विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति डॉ. मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने कहीं।

यह गुरुवार को गुरुनानक कॉलेज में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 21वीं सदी की चुनौतियां व अवसर विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। चुनौतियों को अवसर में बदलने की आवश्यकता है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में चुनौती को स्वीकार किया। कुलपति ने कहा कि क्वालिटी एजुकेशन बाजार में बिकने वाली चीज नहीं है। पीके राय कॉलेज में नामांकन लेंगे और कहेंगे कि आइआइटी बनाकर दिखाएं तो यह चुनौती है क्योंकि कॉलेज के पास संसाधन सीमित है।

सेमिनार को संबोधित करते विधायक राज सिन्हा व कुलपति डॉ. मनोरंजन प्रसाद सिन्हा •

कॉलेज अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, उपाध्यक्ष सरदार पलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ढेवाल, प्राचार्य प्रो. पी शेखर, प्रो रंजना दास, डॉ ए आइ खान, रांची विवि के प्रो. यूसी मेहता, डॉ. मीना मालखंडी, प्रो. देवाशिष बोस, डॉ. संजय प्रसाद, डॉ वर्षा सिंह, डॉ संगीता नाथ, मौसमी बनर्जी, एसएसएलएनटी डॉ. तापित चक्रवर्ती, घनिष्ठा वर्मा, प्रो पुष्पा तिवारी व अन्य उपस्थित थे।

युवाओं का उचित मार्गदर्शन शिक्षकों के लिए चुनौती : राज

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र बढ़ रहे हैं लेकिन ज्ञान कहां है। वर्तमान समय में छात्र-छात्राओं का सबसे बड़ा लक्ष्य डिग्री लेकर नौकरी पाना है। ज्ञान के लिए न ही पढ़ाई कर रहे हैं और न ज्ञान की बात सोच रहे हैं। विवि व शिक्षाविदों के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है। स्थिति बेहतर बनानी है तो शुरुआत से ही बेहतर करना होगा। अगर प्राथमिक से ही ध्यान दिया जाए तो आगे चलकर उच्च शिक्षा में सुधार होगा।

Aawaz - 13-10-12

जीएन कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

धनबाद, 12 अक्टूबर (आवाज प्रतिनिधि): गुरुनानक कॉलेज में चल रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के समापन समारोह में भाग लेते हुए सिद्धू कान्हू विवि के कुलपति एमपी सिन्हा ने कहा कि उच्च शिक्षा में खुद को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी चुनौती है। यूनिवर्सिटी की परिभाषा है कि वह पूरे दुनिया में अपने ज्ञान को फैलाए। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे तो बढ़ गए हैं लेकिन यदि चरित्र का निर्माण नहीं होता है तो सब व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि बच्चे कंधे पर भारी बैग लेकर जाते तो हैं लेकिन डिग्री लेकर आते हैं ज्ञान और चरित्र नहीं। डॉ यूसी चंद्रा ने कहा कि कॉलेजों में शिक्षकों की कमी है फिर भी सरकार उच्च शिक्षा को सुधारने की कोशिश में लगी है जो कि नाकाफी है। प्राचार्य डॉ एआई खान ने कहा कि अपने देश में उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए सोसाइटी तथा कॉलेजों में एक्टिविटी प्रोग्राम होना चाहिए। निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की एकेडमी डायरेक्टर डॉ कीर्ति ने कहा कि प्राथमिक और उच्च शिक्षा में सुधार की गुंजाईश है।

सेमिनार को संबोधित करते विधायक राज सिन्हा

समापन समारोह में गुरुनानक कॉलेज के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल उपाध्यक्ष सरदार पलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ग्रेवाल, प्राचार्य पी शेखर, प्रो रंजना दास, रांची विवि के प्राचार्य यूसी मेहता, एआईसीपी के प्राचार्य एस ब्रह्मभट्ट, डॉ मीना मालखंडी, प्रो देवाशिष बोस, डॉ संजय प्रसाद, प्रो पुष्पा तिवारी के साथ अन्य मौजूद थे।

Hindustan - 11-10-17

मुनाफे के लिए उच्च शिक्षा बड़ा व्यवसाय बना : डा. ब्रह्मभट्ट

धनबाद | मुख्य संवाददाता

वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का क्षेत्र मुनाफा के लिए बड़ा व्यवसाय बन गया है। राजनीतिक पार्टियों के बड़े नेता हों या अन्य लोग। एक पूर्व राष्ट्रपति का महाराष्ट्र में 25 उच्च शिक्षण संस्थान है। एक पूर्व केन्द्रीय मंत्री की बात करें तो महाराष्ट्र में ही उनके 75 शिक्षण संस्थान हैं। यह कहना है एसोसिएशन ऑफ इंडियन कॉलेज प्रिंसिपल (एआईसीपी) के अध्यक्ष डा. सुभाष ब्रह्मभट्ट का।

डा. ब्रह्मभट्ट बुधवार को गुरुनानक कॉलेज धनबाद में 21वीं सदी में उच्च शिक्षा : चुनौतियां व अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंनि विस्तार से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में चुनौती व अवसर पर प्रकाश डाला।

डा. ब्रह्मभट्ट ने वर्तमान में उच्च शिक्षा की खराब स्थिति के लिए शिक्षकों को भी जिम्मेवार माना। उन्होंनि बताया कि उच्च शिक्षा कहीं न कहीं बिखर गया है। शिक्षाविद कहलाने वाले लोगों से यह पूछा जाना चाहिए कि आपका बच्चा कहां पढ़ता है। आप अपने संस्थान में क्यों नहीं पढ़ाते हैं? समाज को आपसे क्या मिल रहा है? 50 प्रतिशत छात्र क्लास करते हैं तो शेष बच्चे क्लास रूम से बाहर ट्यूशन पढ़ते हैं। शिक्षकों ने कभी सोचा कि हॉवर्ड व विदेश के अन्य दूसरे यूनिवर्सिटी के शिक्षकों की बराबरी करें। इंजीनियर बैंक क्लर्क क्यों बन रहे हैं? एक शोध के अनुसार 50 प्रतिशत इंजीनियर तो नौकरी के लायक नहीं है।

This is a public announcement for information purposes only and is not a prospectus announcement. This does not constitute an invitation or offer to acquire, purchase or subscribe for securities.
Not for publication or distribution, directly or indirectly outside India.

राष्ट्रीय सेमिनार | एसोसिएशन ऑफ इंडियन कॉलेज प्रिंसिपल्स के अध्यक्ष बोले- शिक्षा नीति में बदलाव से पहले वोट बैंक देखते हैं सरकार में शामिल नेता

राजनीति की घुसपैठ से गिरा उच्च शिक्षा का स्तर: डॉ ब्रह्मभट्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

हमारे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राजनीति की घुसपैठ बढ़ती जा रही है। कई बड़े नेता कॉलेज चला रहे हैं। शैक्षणिक विकास से इतर उनके अपने एजेंडे हैं। इसी वजह से उच्च शिक्षा का स्तर गिर रहा है। यह बातें "एसोसिएशन ऑफ इंडियन कॉलेज प्रिंसिपल्स के अध्यक्ष डॉ सुभाष ब्रह्मभट्ट ने बुधवार को गुरुनानक कॉलेज में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में कहीं। सेमिनार का विषय था - 21वीं सदी में उच्च शिक्षा में चुनौतियां और अवसर। डॉ ब्रह्मभट्ट ने कहा कि चीन में सरकार हर साल अपने 700 स्टूडेंट को अपने खर्च पर पढ़ाई के लिए हॉवर्ड यूनिवर्सिटी भेजती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें देश की विभिन्न यूनिवर्सिटी में नौकरी दी जाती है।

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित सेमिनार में बोलते सांसद पीएन सिंह।

इस वजह से वहां की यूनिवर्सिटी दुनिया के टॉप 200 में शामिल हैं। हमारे देश की सरकार इस दिशा में सोचती ही नहीं है। वह शिक्षा नीति में किसी बदलाव से पहले अपना वोट बैंक देखती है। इस स्थिति के लिए शिक्षक भी जिम्मेवार हैं। अगर हम चाहेंगे, तभी बदलाव आएगा, लेकिन उससे पहले हमें खुद में बदलाव लाना होगा।

रिसर्च को बढ़ावा दे रही है सरकार : सांसद

सांसद पीएन सिंह ने सेमिनार में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार चुनौतियां बढ़ रही हैं। प्राथमिक के बाद मध्य, मध्य के बाद उच्च और फिर कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों के विकल्प कम होते जाते हैं। विद्यार्थियों की संख्या भी कम होती जाती है। पीएन ने कहा कि आज लोग रिसर्च के बजाय प्रोफेशनल कोर्स की ओर से भाग रहे हैं। हालांकि अब केंद्र सरकार की पहल पर रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए फंड स्वीकृत किए जा रहे हैं। देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव दिख रहे हैं। वार्षिक बजट में उच्च शिक्षा के लिए फंड बढ़ाया गया है। देश में रिसर्च के क्षेत्र में ज्यादा काम किए जाने की जरूरत है।

शिक्षा अब भी निचले स्तर पर : डॉ शरण

विनोबा भावे विवि के कुलपति डॉ रमेश शरण ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों के स्तर में काफी अंतर है। दिल्ली और धनबाद के कॉलेजों में काफी अंतर है, जबकि एक ही एजेंसी उन्हें ग्रेड देती है। धनबाद से धंधनकियारी जाते-जाते स्तर बदल जाता है। हकीकत यह है कि 21वीं सदी में भी शिक्षा निचले स्तर पर ही है, खासकर प्राथमिक शिक्षा। इसे मजबूत बनाना जरूरी है। डॉ शरण ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी के महत्व की चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि हम 21वीं सदी में महिलाओं की शिक्षा पर बात कर रहे हैं और दिलचस्प है कि विभावि में 60 फीसदी स्टूडेंट लड़कियां हैं। यह अच्छी बात है।

इन्होंने भी रखे अपने विचार

मेजबान कॉलेज गुरुनानक कॉलेज के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, उपाध्यक्ष सरदार पलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ग्रेवाल, डॉ मीना मालखंडी, प्रो देबाशीष बोस, डॉ संजय प्रसाद, प्रो पुष्पा तिवारी, प्रो संतोष कुमार, प्रो दीपक कुमार, प्रो अरविंद कुमार, डॉ वर्षा सिंह, प्रो अमरजीत सिंह, डॉ संगीत नाथ आदि ने भी सेमिनार में अपने विचार रखे। इससे पहले मेजबान कॉलेज के प्राचार्य प्रो पी शेखर ने अतिथियों का स्वागत किया और डॉ रंजना दास ने सेमिनार की रूप-रेखा बताई।

Dainik Bhaskar - 11-10-17

प्राथमिक शिक्षा का मजबूतीकरण जरूरी:सांसद

गुरुनानक कॉलेज में उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर सेमिनार, आज होगा समापन

धनबाद, 11 अक्टूबर (आवाज प्रतिनिधि)। गुरुनानक कॉलेज में '21 वीं सदी में उच्च शिक्षा में चुनौतियां और अवसर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन विभावि कुलपति डॉ रमेश शरण, मुख्य अतिथि सांसद पीएन सिंह, गुरुनानक कॉलेज प्रबंध कमिटी के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, इंडियन कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुभाष ब्रह्मभट्ट, आयोजन सचिव प्रो रंजना दास ने किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि शिक्षा विकास का अंग होता है, 21 वी शताब्दी में निचले स्तर पर खासकर प्राथमिक शिक्षा का मजबूतीकरण जरूरी है। इस दिशा में काफी कार्य हो चुके हैं लेकिन अभी और भी कार्य करने की जरूरत है। उच्च शिक्षा मुख्य रूप से पाठ्यक्रम आधारित शिक्षण पद्धति द्वारा संचालित होता है। शिक्षा का कोई भी क्षेत्र बिना प्रौद्योगिकी के अपंग नजर आती है। वैज्ञानिक आविष्कारों तथा संचार साधनों के विकास का ही परिणाम है कि शैक्षणिक प्रौद्योगिकी अत्यंत विकसित हो गई है। कोई भी व्यक्ति अपना रोल मॉडल उसे बनाता है जिसका व्यक्तित्व उसके जीवन को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है जैसे शिक्षक, माता -पिता या मित्र।

संबोधित करते सांसद व मौके पर मौजूद शिक्षक

कुलपति डा रमेश शरण ने कहा कि उच्च शिक्षा में अवसरों की कमी नहीं है, किन्तु अवसरों की प्राप्ति में चुनौतियां होती है। 21 वी सदी में भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव देखने को मिल रहा है। इंडियन कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुभाष ब्रह्मभट्ट ने कहा कि पहले छात्र लाईब्रेरी में और शिक्षक किताबों की दुकानों में खड़े मिलते थे लेकिन आज परिस्थिति बदल चुकी है। उन्होंने हावर्ड के एक शिक्षक का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने एक लेक्चर की तैयारी के लिए तीन महीनो को समय लिया इस दौरान उन्होंने कॉलेज की लाइब्रेरी में अध्ययन किया। उन्होंने चीन और भारत की तुलना करते हुए कहा कि चीन में 700 छात्रों को प्रतिवर्ष हावर्ड विवि में स्कॉलरशिप मिलता है जबकि भारत के एक भी छात्र को नहीं मिलता। इसलिए आज भारत का कोई विवि विश्व के टॉप-200 में भी शामिल नहीं है। सेमिनार में कॉलेज के उपाध्यक्ष सरदार पलविंदर सिंह, सचिव सरदार डीएस ग्रेवाल, डॉ मीना मालखंडी, प्रो देवाशीष बॉस, डॉ संजय प्रसाद, प्रो पुष्पा तिवारी, प्रो संतोष कुमार, प्रो दीपक कुमार, प्रो अरविंद कुमार, डॉ वर्षा सिंह, प्रो अमरजीत सिंह, डॉ संगीत नाथ के साथ दर्जनों प्रतिनिधियों ने पेपर प्रस्तुत किया।

Aawaz - 11-10-17